मानसश्री गोपाल राजू (वैज्ञानिक)
(राजपत्रित अधिकारी) अ.प्रा.
ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र
30, सिविल लाईन्स
रूड़की 247667 (उ.ख.)
फोन : (01332) 274370
मोः 09760111555
website : www.astrotantra4u.com
E-mail:gopalraju12@yahoo.com

सोमवती अमावस्या और पितरों की शान्ति

हिन्दू धर्म में सोमवती अमावस्या का दिन बहुत ही सिद्ध तथा योगकारक माना जाता है। जब सूर्य तथा चंद्रमा एक राशि में गोचरवश भ्रमण करते हैं और उस दिन सोमवार आ जाए तो वह शुभ दिन सोमवती अमावस्या कहलाता है। अपनी-अपनी सामर्थ्य, श्रद्धा और समयानुसार कुछ लोग इस दिन कुछ न कुछ उपक्रम करते हैं। पितरों की शान्ति के लिए इस दिन का विशेष महत्व है। इस दिन विधि विधान से पीपल वृक्ष की पूजा-अर्चना करने से अतृप्त पितर प्रसन्न होते हैं, फलस्वरुप कर्ता को धनधान्य से परिपूर्ण हैं। एक सरल सा उपाय लिख रहा हूँ, इस दिन एक बार यह अवश्य करें।

प्रातः काल स्वच्छ मन से किसी सघन पीपल के वृक्ष में कोई संकल्प करके जल अर्पण करें। एक पत्तल की थाली में जनेऊ, पंचमेवा, मौली, रोली, इत्र, साबुत सुपारी, पुष्प, पान, लौंग, इलाईची, फल, मिठाई, चने की दाल, घृत, उड़द तथा काले तिल सजा कर रख लें। सामग्री कितनी लेनी है, यह अपनी सामर्थ्य और भाव के अनुरुप तय कर

लें। पत्ते की इस थाली को वृक्ष की जड़ के पास श्रद्धा से रख दें। पास में एक दीपक जला कर स्थापित कर दें। जिस कार्य की सिद्धी के निमित आपने जल अर्पण किया हो वह मन में दोहराते हुए वृक्ष की 108 परिक्रमा पूरी करें। इच्छा के साथ-साथ प्रत्येक सांस में 'ॐ नमो नारायणाय' अथवा 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र जपते रहें। तदन्तर में प्रत्येक अमावस्या को यदि आप यह दोहराते रहते हैं तो कैसा भी आर्थिक कष्ट हो, अवश्य दूर होता है।

उपाय का त्वरित प्रभाव पाने के लिए अनवरत 51 दिन यह उपाय पूरा करें।

पीपल के वृक्ष को विष्णु का स्वरुप माना गया है। भगवान कृष्ण ने गीता में कहा भी है **"वृक्षों में पीपल का वृक्ष मैं हूँ"** पीपल के वृक्ष के उपाय से मेरा स्वयं का अनुभूत अनुभव है - यह जीवन में प्रगति लाता है।

मानसश्री गोपाल राजू (वैज्ञानिक)
(राजपत्रित अधिकारी) अ.प्रा.
ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र
30, सिविल लाईन्स
रूड़की 247667 (उ.ख.)
फोन : (01332) 274370
मो: 09760111555
website : www.astrotantra4u.com
E-mail:gopalraju12@yahoo.com